ऐश्वर्या : कांस में सिंगल इंडियन एंट्री - p 8

सेक्टर-16 में निकली राम बरात - p 3

नवभारत टाइम्स
NBT Faridabad

| शनिवार 16 अप्रैल 2011 |

नोएडा में दो बहनों की घटना से सबक लेकर कंफेडरेशन छेड़ने जा रहा है व्यापक अभियान

अंधेरे के खिलाफ उम्मीदों की लौ

पवन जाखड़ || फरीदाबाद

नोएडा में डिप्रेशन का शिकार दो बहनों के खुद को घर में बंद करने के मामले को लेकर जिले में कंफेडरेशन व्यापक अभियान छेड़ने जा रही है। इसकी शुरुआत आज यानी शनिवार को शहर की सभी आरडब्ल्यूए को एसएमएस भेजने के साथ की जाएगी।

आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों का कहना है कि बड़े शहर लोगों को रोजगार तो दे रहे हैं, लेकिन आपसी भाईचारा और सद्भाव खो रहा है, जबकि इसी को बनाए रखने की जरूरत है। अब आरडब्ल्यूए सेक्टरों में ऐसे घरों पर नजर रखेगी, जहां लोग अपने ही पड़ोसियों से कटकर रह रहे हैं और खुद को अलग रखते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए पॉकेट वाइज ग्रुप तैयार किए जाएंगे, जिससे लोग आपस में जुड़े रहें और ऐसे परिवारों का पता चल सके।

- कंफेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए फरीदाबाद इस शनिवार ओर रविवार को भेजेगा इस संबंध में सभी आरडब्ल्यूए को मेसेज
- किसी घर में ऐसे वाक्ये की आशंका का पता चलने पर आरडब्ल्यूए तुरंत करेगी हस्तक्षेप
- पॉकेट वाइज 40 से 50 लोगों का ग्रुप बनाकर सभी लोगों को जोड़ने की कवायद

एसएमएस से होगी शुरुआत

कंफेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए के जनरल सेक्रेटरी अमृत सिंह गुलाटी ने बताया कि सप्ताह में हर शनिवार-रविवार कंफेडरेशन की तरफ से शहर की सभी आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों को किसी न किसी मुद्दे पर एसएमएस किए जाते हैं। नोएडा मामले की गंभीरता को देखते हुए इस शनिवार-रविवार पड़ोसियों में आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने के एसएमएस किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह तो शुरुआत भर होगी। ऐसा कोई मामला हमारे शहर में न हो, इसके लिए रणनीति बनाई जाएगी। इसे सभी आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों के साथ बात कर बनाया जाएगा।

बंद दरवाजों पर रहेगी नजर

विकास की राह पर तेजी से भागते शहरों का दुखद पहलू यह है कि पड़ोसी ही पड़ोसी को नहीं जानता। भागती जिंदगी में लोगों के पास इतना समय नहीं है कि बराबर में कौन रह रहा है, इसका पता कर सकें। गुलाटी के अनुसार इसे दूर करने के लिए सभी आरडब्ल्यूए संयुक्त रूप से प्रयास करेंगी। आरडब्ल्यूए पदाधिकारी अपनी तरफ से प्रयास कर ऐसे लोगों के दरवाजों तक पहुंचने की कोशिश करेंगे जो बिल्कुल अलग रहते हैं। इनमें भी ऐसे लोगों को तलाश जाएगा, जो कई दिनों से घर में तो हैं, लेकिन बाहर निकलना पसंद नहीं करते, क्योंकि यह डिप्रेशन की निशानी है। ऐसे लोगों का उनके पड़ोसियों के साथ बेहतर तालमेल बनवाने का प्रयास किया जाएगा।

पॉकेट वाइज बने ग्रुप करेंगे मदद

कंफेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी ए. एस. गुलाटी के अनुसार एक सेक्टर में दो से तीन हजार घर होते हैं। ऐसे में आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी सभी जगह नजर रख सकें, यह संभव नहीं। इसके लिए या तो पॉकेट वाइज बनी आरडब्ल्यूए की मदद ली जाएगी और जहां यह नहीं हैं, वहां पॉकेट वाइज 40 से 50 लोगों का ग्रुप बनाया जाएगा। एक पॉकेट का ग्रुप अपने एरिया के घरों पर आसानी से नजर रख सकता है। ग्रुप बनने का फायदा यह भी होगा कि अब तक अड़ोस-पड़ोस से वास्ता न रखने वाले लोग जुड़ेंगे और एकसाथ मिलकर काम करेंगे। कुल मिलाकर प्रयास होगा कि आसपास रहने वाले लोगों में प्रेम, सद्भाव और भाईचारा पैदा हो, ताकि मददगारों की कमी न हो।

Ph.: 9560876009 Ph.: 0129-4316009
S.S.M. ACADEMY

Institute of Medical & Engineering Exams
AIPMT : AIEEE : IIT : AIIMS
X, XI, XII PHY : CHE : BIO : MATHS
S.S.M. Sr. Sec. School
Ashoka Enclave Main, Nr. NHPC Chowk, Faridabad
E-mail : ssm.academy2011@gmail.com

SPIMT
An ISO 9001 : 2008 Institute
B.A., B.Com 3000/- Per Year
M.A., M.Com 4260/- Per Year
BCA, BBA 6000/- Per Sem.
MCA, MBA 7000/- Per Sem.
B.Lib., M.Lib. 5095/- Per Year
Diploma Engg. 8000/- Per Sem.
B.Tech, M.Tech All Streams 10,000/- Per Sem.
H.O. - 3B-9, B'sment, DAV College Rd, FBD.
B.O. Gurdawara Road, 33 Ft R/d, Jawahar Colony
4052677, 9911703636, 8447175176